वैश्विक कोरोना महामारी के दौरान सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किये प्रयास का प्रस्तुतिकरण संदर्भ – अप्रैल 2020 – 15 मई 2021

प्रस्तुतकर्ता

गौरव कुमार

पीएचडी शोधार्थी, समाज कार्य

महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्यन केंद्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्टः हिंदी विश्वविद्यालय गांधी हिल्स, वर्धा- 442005 (महाराष्ट्र) भारत

Volunteer Work at Covid Bihar Portal

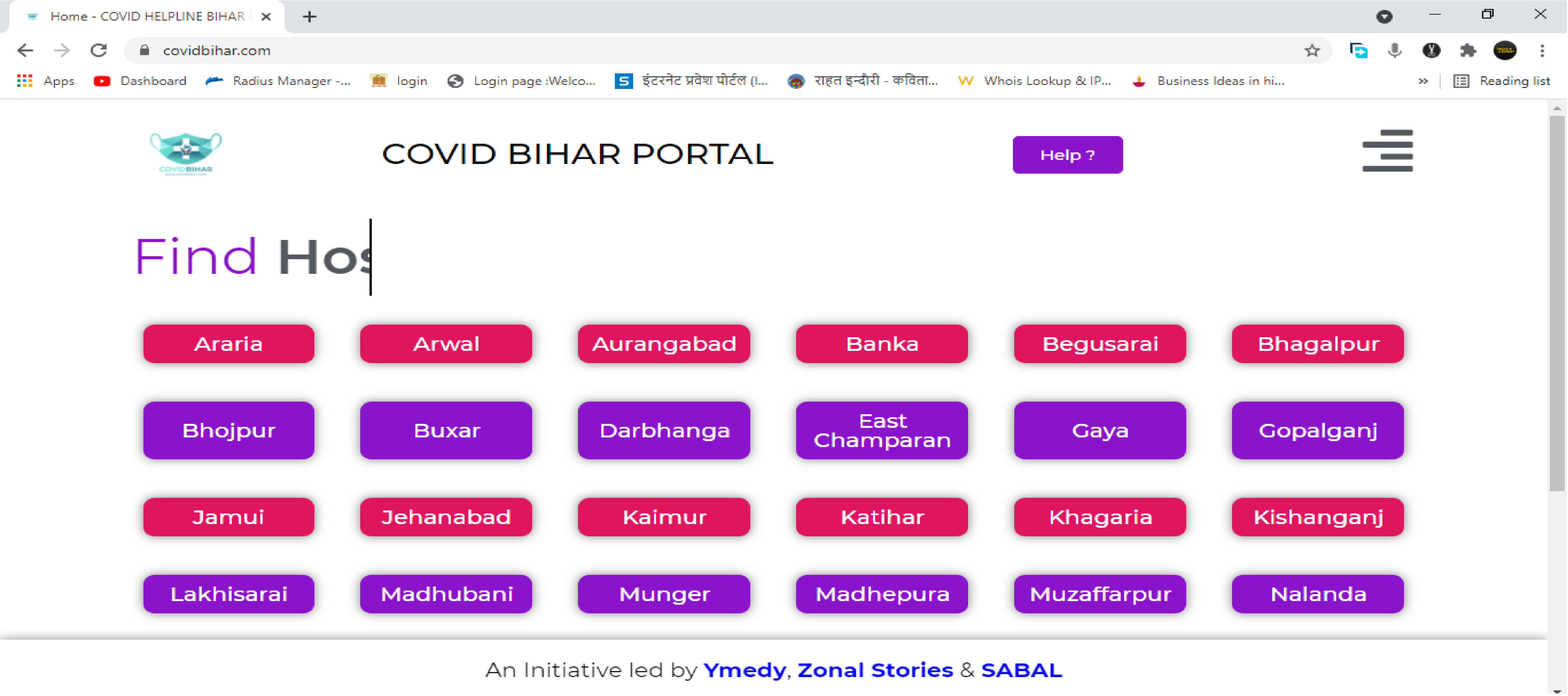

भोजन की व्यवस्था, ईलाज के लिए सटीक जानकारी, आर्थिक संबल प्रदान करना

•फेसबुक और whatsapp पर बिहार सेवा ग्रुप, कोविड हेल्पर और अन्य राज्यों के लिए भी बेड, ऑक्सीजन, वेंटीलेटर, राशन, भोजन की व्यवस्था और दवाई, आर्थिक संबल के साथ-साथ उचित जानकारी प्रदान करने का कार्य किया जा रहा हैं.

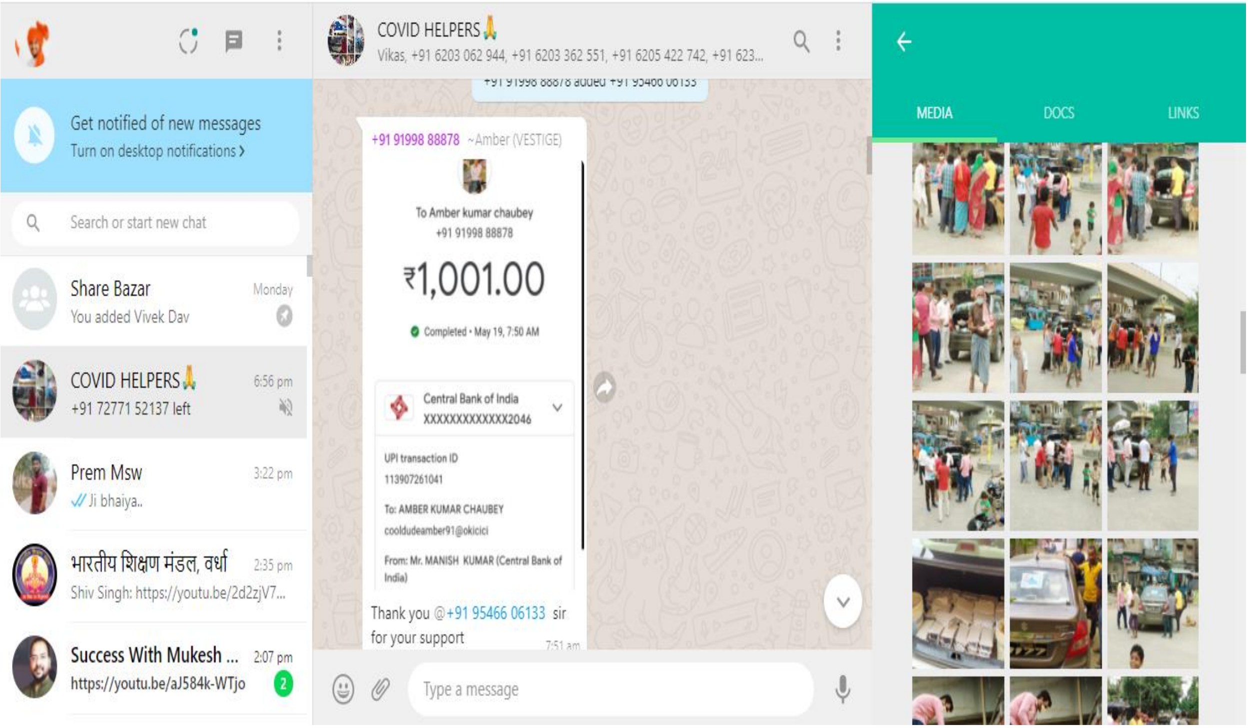

जमुई में सामुदायिक किचेन की शुरुआत के लिए पहल

- जमुई में सामुदायिक किचन की शुरुआत मजदूर, निराश्रित को दो वक्त की भोजन के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय, माननीय मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी का ट्वीट पर सकरात्मक पहल .

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सीएम ने देखा सामुदायिक किचन

जमुई | संवाद सूत्र

बिहार में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए लॉकडाउन लगाया है जो फिलहाल 25 मई तक प्रभावी है। इस दौरान कोई भी गरीब व्यक्ति भूखा न रहे इसको लेकर सरकार के स्तर से सामुदायिक किचेन की व्यवस्था की गई है।

जमुई जिला में चल रहे सामुदायिक किचेन में क्या है व्यवस्था और लोगों को सही तरीके से खाना मिल रहा है या नहीं इसका जायजा सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जमुई जिले के जमुई और झाझा प्रखंड में संचालित सामुदायिक किचेन का जायजा लिया। हालांकि इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मीडिया के इंट्री पर प्रतिबंध था लेकिन प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीडियो . कॉन्फ्रेंसिंग में मौजूद जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह और एसपी प्रमोद कुमार मंडल को सामुदायिक किचेन को लेकर कई आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निर्देश दिया कि शहर में कोई भी गरीब व्यक्ति भूखा नहीं रहना चाहिए। खाना की गुणवत्ता बरकरार रहे और हर रोज खाना में मेनू बदल-बदलकर परोसा जाए। दैनिक मजदूर हों या जरुरतमंद सभी सरकार द्वारा चलाए जा रहे सामुदायिक किचेन का लाभ लें इसके लिए प्रचार-प्रसार की व्यापक व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की जाए।

मुख्यमंत्री ने भोजन कर रहे व्यक्तियों से भी बातचीत की और दिए जा रहे खाना की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। सामुदायिक किचेन का लाभ रहे लोगों ने सीएम को बताया कि जिला प्रशासन द्वारा सामुदायिक किचेन में अच्छी व्यवस्था की गई है। साथ ही भोजन भी बहुत ही स्वादिष्ट है और साफ-सफाई की अच्छी व्यवस्था है। लोगों के द्वारा फीडबैक को सुनकर मुख्यमंत्री ने संतुष्टि व्यक्त की। जिलाधिकारी द्वारा जमुई जिले के जमुई एवं झाझा प्रखंड में संचालित सामुदायिक किचन में की गई साफ सफाई की व्यवस्था, भोजन की व्यवस्था, सोशल डिस्टेंसिंग इत्यादि के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री की वर्चुअल संवाद में जिलाधिकारी के साथ एसपी प्रमोद कुमार मंडल, आपदा प्रभारी आर.के. दीपक, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी राकेश कुमार, जमुई के प्रखंड विकास पदाधिकारी पुरुषोत्तम त्रिवेदी, जमुई के अंचलाधिकारी दीपक कुमार भी उपस्थित थे। राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में जमुई जिले के विभिन्न प्रखंडों में भी सामुदायिक रसोई संचालित है।

दिये निर्देश

- खाना की गुणवत्ता बरकरार रखने पर दिया जोर
- सामुदायिक किचेन की व्यवस्था पर सीएम ने जताया संतोष

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सामुदायिक किचन की जानकारी लेते सीएम।

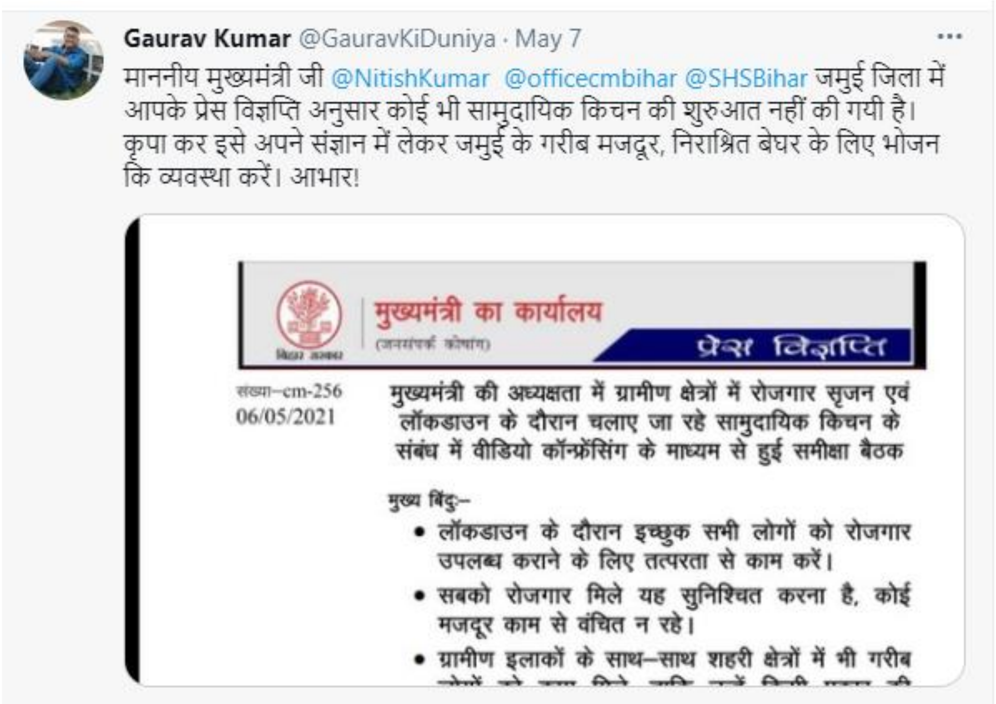

Gaurav Kumar @GauravKiDuniya · May 7

माननीय मुख्यमंत्री जी @NitishKumar @officecmbihar @SHSBihar जमुई जिला में आपके प्रेस विज्ञप्ति अनुसार कोई भी सामुदायिक किचन की शुरुआत नहीं की गयी है। कृपा कर इसे अपने संज्ञान में लेकर जमुई के गरीब मजदूर, निराश्रित बेघर के लिए भोजन कि व्यवस्था करें। आभार!

मुख्यमंत्री का कार्यालय

(जनसंपर्क कोषांग)

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-256
06/05/2021

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन एवं लॉकडाउन के दौरान चलाए जा रहे सामुदायिक किचन के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई समीक्षा बैठक

मुख्य बिंदु:–

- लॉकडाउन के दौरान इच्छुक सभी लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए तत्परता से काम करें।
- सबको रोजगार मिले यह सुनिश्चित करना है, कोई मजदूर काम से वंचित न रहे।
- ग्रामीण इलाकों के साथ–साथ शहरी क्षेत्रों में भी गरीब

जमुई जिला प्रशासन से दवाई और जांच में कालाबाजारी पर सख्त कदम उठाने की अपील

- 02. दवाइयों के कालाबाजारी के संदर्भ में दवाई दुकानों पर कड़ाई से सख्ती बरती जाने को लेकर सोशल मीडिया पर आह्वान किया.
- 03. सिटी स्कैन को लेकर दर एक निश्चित निर्धारित दर की मांग की गयी।

शहर में आधा दर्जन दवा दुकानों की हुई जांच

शिकायत

जमुई | निज संवाददाता

कोरोना संक्रमण काल के दौरान जिले में आवश्यक दवाओं की कालाबाजारी को रोकने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह के निर्देश पर आवश्यक दवाओ की जांच को लेकर गठित टीम द्वारा सोमवार को शहर के दवा दुकानों का जायजा लिया गया।

इस दौरान शहर के गांधी पुस्तकालय रोड स्थित सुनील वर्णवाल मेडिकल सहित अन्य दवा दुकानों का निरीक्षण किया गया। साथ कई आवश्यक दिशा-निर्देश दुकानदारों को दी गयी। जानकारी देते हुए जिला औषधि निरीक्षक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि जरूरतमंद लोगों को आवश्यक दवा समय से मुहैया कराने को लेकर जिलाधिकारी के निर्देश पर वरीय समाहर्ता भारती राज के नेतृत्व में चार सदस्य की टीम बनाया गया है. जो प्रत्येक दिन जिले के एक प्रखंड स्थित दवा दुकान का जायजा लेकर दुकानदारों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहा है। उन्होंने बताया कि इस क्रम में शहर के सनिल वर्णवाल मेडिकल सहित आधा दर्जन दवा दुकानों का जायजा लेकर उपलब्ध आवश्यक दवा को देखा गया। उन्होंने बताया कि जिले में आवश्यक दवा की कोई कमी नहीं है। कोरोना संक्रमण में भी किल्लत कि कहीं से कोई शिकायत नहीं मिल रहा है। दुकानदारों को निर्देश दिया गया है कि वह समय से जरूरतमंद लोगों को आवश्यक दवा उपलब्ध कराएं। सभी दुकानदारों को बीना कैशमेमो के दवा नहीं बेचने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि कहीं से शिकायत मिलती है और वह सही पाया जाता है तो कार्रवाई किये जाने की बात कही। उन्होंने जिलेवासियों से भी बिना कैशमेमों का दवा नहीं खरीदने की अपील की।

सख्ती

- जिले में आवश्यक दवाओं की कालाबाजारी रोकने की पहल
- जिलाधिकारी के निर्देश पर की गई है जांच गठित टीम

सोमवार को जमुई के गांधी पुस्तकालय रोड में दवा दुकान की जांच करते अधिकारी।

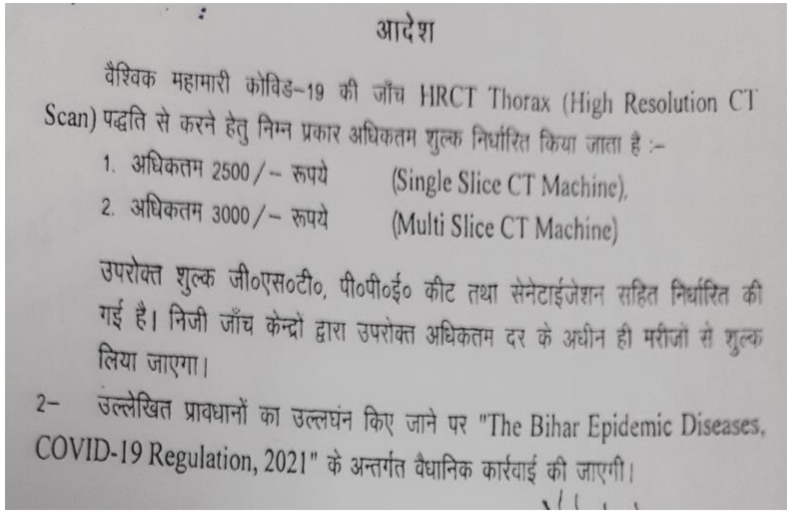

आदेश

वैश्विक महामारी कोविड–19 की जाँच HRCT Thorax (High Resolution CT Scan) पद्धति से करने हेतु निम्न प्रकार अधिकतम शुल्क निर्धारित किया जाता है :-

1. अधिकतम 2500/– रूपये (Single Slice CT Machine),
2. अधिकतम 3000/– रूपये (Multi Slice CT Machine)

उपरोक्त शुल्क जी०एस०टी०, पी०पी०ई० कीट तथा सेनेटाईजेशन सहित निर्धारित की गई है। निजी जाँच केन्द्रों द्वारा उपरोक्त अधिकतम दर के अधीन ही मरीजों से शुल्क लिया जाएगा।

2– उल्लेखित प्रावधानों का उल्लघंन किए जाने पर "The Bihar Epidemic Diseases, COVID-19 Regulation, 2021" के अन्तर्गत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

Gaurav Kumar
12 May at 12:56

सोशल मीडिया पर उठते सवालों के जवाब में जमुई जिला प्रशासन ने सकरात्मक और महत्वपूर्ण कदम उठाए है। इस विकट प्रस्थिति में जमुई जिलाधिकारी महोदय को कोटि कोटि साधुवाद!

01. विभिन्न सामुदायिक किचन की शुरुआत निराश्रित और मजदूरों के लिए हो गयी है।

02. दवाइयों के कालाबाजारी के संदर्भ में दवाई दुकानों पर कड़ाई से सख्ती बरती जा रही है।

03. सिटी स्कैन को लेकर दर निर्धारित की गई है।

दवा दुकानों की हुई औचक जांच

कालाबाजारी अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर दवा बेचे जाने की आशंका के मद्देनजर दो सदस्यीय टीम -भारती राज और के. के. शर्मा गठित किया गया है। टीम दवा दुकानों का निरीक्षण कर कार्रवाई करेगी।

Translate Tweet

जीवन संरक्षण अभियान

भगत सिह छात्रावास में माननीय कुलपतिजी के मार्गदर्शन में अपने छात्रावास परिसर के सभी पौधों को संरक्षित करने तथा स्वच्छता बनाए रखनेको लेकर यह अभियान चलाया गया था।

जीवन संरक्षण अभियान

गौरैया के लिए घोसला निर्माण भी किया गया था, जो कि वर्तमान में भी प्रासंगिक और सभी घोसले में गौरैया अपने घोसले बना रखें है.

हिंदी विवि के विद्यार्थियों ने शुरू किया गौरैया सरंक्षण अभियान

खाली डिब्बों को बना लिया आशियाना

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कोरोना महामारी के समय लॉकडाउन के दौरान प्रकृति को संरक्षित रखने का बीड़ा उठाया है। विश्वविद्यालय परिसर की हरियाली को बनाए रखने के लिए स्वेच्छा से सामाजिक दूरी का ख्याल रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल के मार्गदर्शन में जीवन संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सभी विद्यार्थी अपने छात्रावास परिसर में लगे सभी पौधों की सिंचाई कर उन्हें संरक्षित करने का कार्य कर रहे हैं। विद्यार्थियों इसी क्रम में पक्षियों के लिए सामान के खाली डिब्बों को काटकर घोंसला बनाकर अपने-अपने छात्रावास परिसर में जगह-जगह पर लगाए हैं। एक सप्ताह पहले लगाए गए इन सभी डिब्बों में गौरैया ने अपना घोंसला बनाना शुरू किया है। गौरैया ने घोसलों में अंडे भी दिए हैं। गौरैया के साथ-साथ अन्य दो प्रकार के पक्षी भी डिब्बों में घोंसले बनाकर रह रहे हैं। छात्रावास में रह रहे अंतवासी छात्र प्रतिनिधि गौरव कुमार ने बताया कि हमने पक्षियों को भोजन के रूप में चावल, सत्तू और जगह-जगह पानी रखकर उनके लिए बेहतर व्यवस्था की है। इस अभियान को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका विद्यार्थी पंकज, उत्कर्ष ओर पुनेश निभा रहे हैं।

गौरैया का संरक्षण हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी है। इंसान की भोगवादी संस्कृति ने हमें प्रकृति और उसके साहचर्य से दूर कर दिया है। गौरैया एक घरेलू और पालतू पक्षी है। यह इंसान और उसकी बस्ती के पास अधिक रहना पसंद करती है। पूर्व एशिया में यह बहुयातय पायी जाती है। यह अधिक वजनी नहीं होती है। इसका जीवन काल दो साल का होता है। यह पांच से छह अंडे देती है। आंध्र यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी से अधिक की कमी आयी है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स ने इस चुलबुली और चंचल पक्षी को रेड लिस्ट में डाल दिया है। दुनिया भर में ग्रामीण ओर शहरी इलाकों में गौरैया की आबादी घटी है। पक्षी विशेषज्ञों के अनुसार गौरैया की घटती आबादी के पीछे मानव विकास सबसे अधिक जिम्मेदार है।

जीवन संरक्षण अभियान

जैसा कि आप सभी को विदित है कि कोरोना महामारी के कारण पूरे देश में लॉकडाउन है। इसके कारण गरीब मजदूर, जो रोज कमाता-खाते थे, सबसे ज्यादा प्रभावित हुए।

ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियों में माननीय कुलपति जी के अभिभावकत्व एवं प्रेरणा से विश्वविद्यालय परिवार ने अप्रैल 2020 से विश्वविद्यालय की समीपवर्ती बस्तियों के जरूरतमंद लोगों में रसद वितरित कर एक जिम्मेदार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन का विनम्र प्रयास किया।

हिंदी विवि ने जरूरतमंदों को दी आर्थिक मदद

ब्यूरो | वर्धा.

लॉकडाउन से प्रभावित गरीब , मजदूर और जरूरतमंदों की मदद के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय आगे आया है। आवश्यक वस्तुओं के वितरण के दूसरे चरण में सेवाग्राम (आरोग्य धाम), मसाडा, गाडगे नगर, आदिवासी कॉलोनी, उमरी ग्राम, त्रिमूर्ति नगर और विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को रविवार,12 अप्रैल को आवश्यक सामग्री बांटी। कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल की प्रेरणा और मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय परिवार ने यह कार्य किया। दूसरे चरण में 200 से अधिक परिवारों की मदद की गई।

इस कार्य में सहायक कुलसचिव के. के. त्रिपाठी, डॉ.राजेश्वर सिंह, अनुभाग अधिकारी कमल शर्मा, कुलदीप पांडेय, श्रीकांत, जीतेंद्र, विवेक त्रिपाठी, सलीम भाई, राजीव पाठक एवं सुनील कुमार आदि की विशेष भूमिका रही। इसके कार्यान्वयन में पुनेश, मनोज ठाकुर, वेद प्रकाश, राजेंद्र मते, सत्येंद्र और छात्र प्रतिनिधि गौरव ने भी योगदान दिया।

विविध शाळांनी पोषण आहाराचे केले घरपोच वाटप : सामाजिक संस्थाकडून गरीब व निराधार कुटुंबाना मदतीचा ओघ सुरुच

कुटुंबापर्यंत धान्यसाठा पोहोचवून सामाजिक बांधिलकीचा परिचय

५०० कुटुंबीयांना घरपोच भाजीपाल्याचे वितरण

अन्य कार्य

- व्यक्तिगत स्तर पर आर्थिक संबल प्रदान करना
- चिकित्सा हेतु चिकित्सक से संवाद स्थापित कराना.
- वैक्सीनेशन के लिए आवेदन और अन्य जानकारी प्रदान करना.
- बेड, ऑक्सीजन सिलिंडर, वेंटीलेटर और दवाई की उपलब्धता की जानकारी प्रदान करना.
- चिकित्सा हेतु सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुँचाना.

Proposal : Covid – 19 Task Force Helpline

Training to volunteers

1. Medical treatment Consultation Awareness
2. Social media & Internet Advanced level Awarness
3. Covid -19 Protocol & Vaccination Registration Awareness
4. Lockdown Guidelines Awareness

Based On Selp Helpline (Call, Whatsapp, Facebook, Twitter)

ज्ञान शांति मैत्री

कोविड–19 कार्य बल

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की एक पहल

प्रस्ताव :

कोविड – 19 कार्य बल के लिए ये लोगो विश्वविद्यालय द्वारा प्रयोग के लिए प्रस्तावित हैं.

ज्ञान शांति मैत्री

COVID-19 TASK FORCE

An Initiative by Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalay, Wardha

बहुत बहुत धन्यवाद!